जोधपुर, 03 मई।

राज्य सरकार के निर्देश पर आयोजित किए जा रहे मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर की तैयारियों को लेकर बुधवार को महापौर घनश्याम ओझा की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में महापौर ओझा और निगम आयुक्त शिवप्रसाद एम नकाते ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को राहत प्रदान करना है और इसलिए सभी अधिकारी सकारात्मक सोच के साथ शिविरों मे जाए और अधिक से अधिक आमजन को राहत देने का प्रयास करे। महापौर ओझा ने कहा कि मंगलवार को जयपुर में आयोजित हुई कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को कहा कि इन शिविरों के माध्यम से सरकार जनता तक पहुचंना चाहती है और उनके काम करना चाहती है इसलिए सभी का यह प्रयास हो कि जनता को इन शिविरों का पूरा लाभ मिले। महापौर ओझा ने कहा कि अधिकारी किसी भी काम को अटकाने की मंशा नही बल्कि यदि कोई बाधा है तो उसका कानूनी सीमाओं मे रहकर समाधान करने का प्रयास करे और परिवादी को न्याय दे। उन्होने कहा कि शिविरों की प्रतिदिन समीक्षा की जाएगी इसलिए शिविर से पूर्व ही सभी अधिकारी संबंधित वार्ड के संबंध में पूरी तैयारी करके जाए। निगम आयुक्त शिवप्रसाद मदन नकाते ने कहा कि मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविरों के दौरान सभी अधिकारियों को टीम वर्क के साथ कार्य करना होगा उन्होने कहा कि शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की बात को गंभीरता से सुना जाए और उसे पूरा सहयोग किया जाए। किस कार्य के लिए क्या प्रक्रिया अपनानी है इसके संबंध में भी उसे पूरी जानकारी दी जाए। बैठक में उपायुक्त मोहनसिंह राजपुरोहित, निसार अली, एसटीपी,डीटीपी,विधिअधिकारी,राजस्व अधिकारी, एसी,एक्सईएन, एईएन,जेईएन, सीएसआई और अतिक्रमण शाखा के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिविर में लगाई जाएगी हैल्प डेस्क

निगम आयुक्त शिवप्रसाद मदन नकाते ने कहा कि शिविर स्थल पर एक हैल्प लाईन डेस्क लगाई जाएगी जो शिविर में आने वालों को पूरी तरह से गाइड करेगी कि उन्हे क्या क्या औपचारिकातएं पूरी करनी होगी साथ ही यह हैल्प डेस्क बुजुर्गो ओर अशिक्षित लोगों के लिए आवेदन प्रपत्र भरने का भी काम करेगी।

जेईएन को देनी होगी परीक्षा

आमतौर पर देखा जाता है कि सरकार की ओर से जो सर्कुलर जारी होता है उसे कोई अधिकारी ध्यानपूर्वक नही पढता हे लेकिन इन शिविरों के लिए राज्य सरकार की ओर से दी गई गाईड लाईन को सभी तकनीकी अधिकारियों को गंभीरता पूर्वक अध्ययन करना होगा। निगम आयुक्त शिवप्रसाद एम नकाते ने बताया कि 08 मई को सभी अधिकारियों के लिए शिविर के परिपत्र के संबंध में एक परीक्षा आयोजित होगी जिसे सभी को पास करना अनिवार्य होगा।